



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	15-12-24	2	7-8

दैनिक भारत

एक साथ फसलें, सब्जी, फल व मशरूम उत्पादन कर सकेंगे

भास्त्रजन्मूज | चंडीगढ़

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) हिसार में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है। इसमें डॉ. एस्के. यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. आरडी जाट व डॉ. कविता का योगदान रहा।

विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि मॉडल के तहत किसान एक साथ फसलें, सब्जी,

एचएयू के कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

फल, पशुपालन, केंचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोगैस का कार्य कर सकते हैं। ये 1.0 हेक्टेयर मॉडल विशेषकर छोटे, सीमांत किसानों के लिए है। इस मॉडल से देश की बढ़ती जनसंख्या के भव्य पोषण को महेनजर रखते हुए आगामी वर्षों में अनाज, सब्जी, फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होगी। इससे किसान खेती के लिए उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएगी व उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है व यह मॉडल किसानों को वर्ष भर अमादनी देने के अलावा खेत की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाता है। विवि की सस्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से 2010-11 में शोध शुरू हुआ था। 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विवि ने लघु सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेख भूमि	15-12-24	12	2-5

वैज्ञानिकों ने 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को किया विकसित

हकूमि की समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

हरिगृहि न्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है। मॉडल को विकसित करने में डॉ. एसके यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. आरडी जाट और डॉ. कविता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शनिवार को वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह मॉडल के अंतर्गत किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सब्जी, फल, पशुपालन, केचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोगेस आदि का कार्य कर सकते हैं। ये 1.0 हेक्टेयर मॉडल विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए हैं। इस माडल से देश की बढ़ती जनसंख्या के भरण-पोषण व सुरक्षित भविष्य को



हिसार। एवंयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

फोटो: हरिगृहि

महेनजर रखते हुए आगामी वर्षों के लिए अनाज, सब्जी, फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होगी। इससे किसान खेती के लिए उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल प्रयोवरण के लिए भी अनुकूल है और यह मॉडल किसानों को वर्ष भर आमदानी देने के साथ-साथ खेत की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाता है। सस्य विज्ञान के

विभागाध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि कृषि जोत सिकुड़ी जा रही है और कृषि लागत बढ़ने के कारण किसानों को उचित भाव भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-प्रतिदिन किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। उपरोक्त समस्याओं को महेनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की सस्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लघु और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किया गया है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, ओएसडी डॉ. अतुल ठाँड़ा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक मासिक	15-12-24	२	१-५

• फल, सब्जी, मशरूम व पशुपालन के जरिए बढ़ा सकेंगे आय हकूमि के समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल 1.0 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है।

यह मॉडल विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए है।

मॉडल के अंतर्गत किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सब्जी, फल, पशुपालन, केंचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोपैस आदि का कार्य कर सकते हैं। इस मॉडल से देश की बढ़ती जनसंख्या के भरण-पोषण व सुरक्षित भविष्य को जर रखते हुए आगामी वर्षों



हकूमि कुलपति प्रो. काम्बोज मॉडल विकसित करने वाले वैज्ञानिकों के साथ।

के लिए अनाज, सब्जी, फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होगी। साथ ही कृषि लागत में कमी आएगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। मॉडल को विकसित करने में डॉ. एसके यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, कृषि दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होगी। साथ ही कृषि लागत में कमी आएगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। मॉडल को विकसित करने में डॉ. एसके यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएस दावरवाल, डॉ. आरडी जाट और डॉ. कविता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग,

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पहुंचा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, ओएसडी डॉ. अतुल ढाँगड़ा मौजूद हों। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हकूमि के द्वारा विकसित मॉडल से किसानों की आमदनी तो बढ़ेगी ही फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार भी बढ़ेगी।

मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से शोध

सत्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि कृषि जोत सिकुड़ती जा रही है और कृषि लागत बढ़ने के कारण किसानों को उचित भाव भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-प्रतिदिन किसानों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होती जा रही है। उपरोक्त समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की सत्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान आईसीएआर मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युक्ताला	15-12-25	2	1-4

उपलब्धि

वैज्ञानिकों ने 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को किया विकसित

कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है।

मॉडल को विकसित करने में डॉ. एस.के यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएस दादरबाल, डॉ. आरडी जाट और डॉ. कविता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज वैज्ञानिकों के साथ इस उपलब्धि के लिए बधाई दी दी। उन्होंने बताया कि इस मॉडल के अंतर्गत किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सब्जी, फल,



हकृति के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज वैज्ञानिकों के साथ। श्रोत: संस्थान

पशुपालन, केंचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोगैस आदि का कार्य कर सकते हैं। ये 1.0 हेक्टेयर मॉडल विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए हैं।

इस मॉडल से देश की बढ़ती जनसंख्या के भरण-पोषण व सुरक्षित भविष्य को मद्देनजर रखते हुए आगामी

वर्षों के लिए अनाज, सब्जी, फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ानी होगी। इससे किसान खेती के लिए उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएंगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है और यह मॉडल किसानों को वर्ष भर गया है।

आमदानी देने के साथ-साथ खेत की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाता है।

सत्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि कृषि जोत सिकुड़ती जा रही है और कृषि लागत बढ़ने के कारण किसानों को उचित भाव भी नहीं मिल रहे हैं।

उपरोक्त समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की सत्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लघु और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किया



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाब के सरी	१५-१२-२५	३	२-५

हकूमि के समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

वैज्ञानिकों ने 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को किया विकसित

हिसार, 14 दिसम्बर (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है। माडल को विकसित करने में डॉ. एस.के. यादव, डॉ. आर.के. नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आर.एस. दादरवाल और डॉ. कविता सहित अन्य कामगारों द्वारा योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होगी। इससे किसान खेती के लिए उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएंगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है और यह मॉडल किसानों को वर्ष भर आमदानी देने के साथ-साथ खेत की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाता है।



हकूमि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों को महेनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की सस्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लघु और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किया गया है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पहुंचा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा व अन्य अधिकारी मौजद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक त्रिभुवन	15-12-24	9	5-6

हकूमि के समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को मिली मान्यता



हकूमि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ। -छप

हिसार, 14 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है। इस मॉडल के विकास में डॉ. एसके यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. आरडी जाट और डॉ. कविता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए

बधाई दी और बताया कि इस मॉडल के तहत किसान एक साथ फसलें, सब्जियां, फल, पशुपालन, केचुआ खाद, मशरूम उत्पादन और बायोगैस जैसे कार्य कर सकते हैं। यह मॉडल खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए उपयुक्त है।

इस मॉडल से कृषि लागत में कमी आएगी, उत्पादन बढ़ेगा और पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। इससे किसानों को वर्षभर आमदनी मिलेगी और खेत की उर्वरक शक्ति भी बढ़ेगी। कृषि जोत सिकुड़ने और लागत बढ़ने की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह मॉडल विकसित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	१५-१२-२५	५	२-५

हृषि के समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता



हिसार, 14 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित

1.0 हेक्टेयर समन्वित

कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है। मॉडल को विकसित करने में डॉ. एसके यादव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. आरडी जाट और डॉ. कविता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने बताया कि यह मॉडल के अंतर्गत किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सब्जी, फल, पशुपालन, केंचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोगैस आदि का कार्य कर सकते हैं। ये 1.0 हेक्टेयर मॉडल विशेषकर छोटे और सीमांत

किसानों के लिए हैं। इस मॉडल से

रखते हुए विश्वविद्यालय की सस्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लघु और सीमांत किसानों के लिए उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएंगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है और यह मॉडल किसानों को वर्ष भर आमदानी देने के साथ-साथ खेत की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाता है। सस्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. ठकराल ने बताया कि कृषि जोत सिकुड़ती जा

रही है और कृषि लागत बढ़ने के कारण किसानों को उचित भाव भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-प्रतिदिन किसानों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होती जा रही है। उपरोक्त समस्याओं को मदेनजर

हृषि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

रखते हुए विश्वविद्यालय की सस्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लघु और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किया गया है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्मा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पहुंचा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भैनीकुञ्ज १७१२०।	१५-१२-२५	५	२-५

समन्वित कृषि प्रणाली माडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता माडल से कृषि लागत में आएगी कमी और बढ़ेगा उत्पादन



हक्कि के समन्वित कृषि प्रणाली माडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता पर वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज * गीआरआओ जागरण संवाददाता ● हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली माडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है। माडल को विकसित करने में डा. एसके यादव, डा. आरके नैनवाल, डा. पवन कुमार, डा. आरएस दादरवाल, डा. आरडी जाट और डा. कविता का योगदान रहा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह माडल के अंतर्गत किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सब्जी, फल, पशुपालन, केंचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोगैस आदि का कार्य कर सकते हैं। ये 1.0 हेक्टेयर माडल विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए हैं। इस माडल से देश की

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग, कुलसंचिव डा. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पहुंचा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा आदि मौजूद रहे।

बढ़ती जनसंख्या के भरण-पोषण व सुरक्षित भविष्य को महेनजर रखते हुए आगामी वर्षों के लिए अनाज, सब्जी, फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होगी। इससे किसान खेती के लिए उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लग्न में कमी आएगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि माडल पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है और यह माडल

किसानों को वर्ष भर आमदानी देने के साथ-साथ खेत की उर्वरक शक्ति को भी बढ़ाता है। सस्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डा. एसके ठकराल ने बताया कि कृषि जौत सिकुड़ती जा रही है और कृषि लागत बढ़ने के कारण किसानों को उचित भाव भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-प्रतिदिन किसानों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होती जा रही है। उपरोक्त समस्याओं को महेनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की सस्य विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने कलाच कि 10 करों के अनुसंधान के बाद विज्ञानीय समिति ने लातू और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली माडल विकसित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एनकॉर्पोरेशन	14.12.2024	--	--

हकूमि के समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

वैज्ञानिकों ने 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को किया विकसित

हिसार, जैताना संबद्धाता। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में व्याख्यालित अखिल भारतीय मणिकल कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रिय मिल गई है। मॉडल को विकसित करने में डॉ एसके यादव, डॉ जगतके नैनल, डॉ पवन कुमार, डॉ आशुष दादरखाल, डॉ जारी जाट और डॉ कविता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्वविद्यालय के कुनैति प्रौ. डॉ. आर. जामोज ने वैज्ञानिकों को इस अवलोकन के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल के अंतर्गत विस्तार एक साथ अत्यन-



त्र फसलें, मट्टी, फल, सब्जी, घट्ट, दाल, दूध, चाया तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदानार बढ़ाने होगी। इसले विद्यालय द्वारा के लिए उत्कृष्ट संसाधनों का पूरा इस्तेवाल का फार्म, कृषि निगम में कमी आएगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल का विधि विकास के लिए एक अनुकूल है और यह मॉडल विस्तार को वर्धा भर आनन्दने देने के साथ-साथ

दोल को उत्कृष्ट जड़िकों को भी देता है। मग्न विद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ एसके यादराल ने बताया कि कृषि जैताना मिलकुदीजी जा रही है और कृषि निगम के लिए एक अवसर पर अनुसंधान विदेशी डॉ गवर्नर, डॉ. कुलसचिव डॉ. पालन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एमके पहुंच, मानन समाधन प्रबंधन विदेशी डॉ. गवेश कुमार, अंग्रेजी डॉ. अनुष लींगद्वा व अन्न अधिकारी मिलकुदीजी रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सर्वे।	15.12.2024	--	--

हकूमि के समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता

- वैज्ञानिकों ने 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को किया विकसित

सर्वे। न्यूज़/सुरेन्द्र सोढ़ी
हिसार, 14 दिसंबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है।

विश्वविद्यालय के कृत्यालय प्रो. चौ. आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने चताया कि वह मॉडल के अतिरिक्त किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सब्जी, फल, दाल, दहन, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों को पैदाकार बढ़ाने होगी। इससे किसान सेवाएँ के लिए कालबद्ध समर्थन हो जा पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-



हकूमि के कृत्यालय प्रो. चौ. आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

कार्य कर सकते हैं। ये 1.0 हेक्टेयर मॉडल विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए हैं। इस मॉडल से देश की बढ़ती जनसंख्या के भरपा-पोषण व सुरक्षित भविष्य को महेनजर रखते हुए आगामी वर्षों के लिए अनाज, सब्जी, फल, दाल, दहन, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों को पैदाकार बढ़ाने होगी। इससे किसान सेवाएँ के लिए कालबद्ध समर्थन हो जाएगा। इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-

प्रतिदिन किसानों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होती जा रही है। उन्होंके समस्याओं को महेनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की सख्त विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) महेनजर भैरव के सहयोग से वर्ष 2010 - 11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने चताया कि 1.0 हेक्टेयर के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लघु और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हेक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किया गया है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ शशील और डॉ कुलसचिव डॉ पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ एसडॉ डॉ. रमेश कुमार, और डॉ अंजलि डॉ. अंजलि द्विघानी अवसर पर अधिकारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम्ब - ३१२	14.12.2024	--	--

हकूमि के कृषि प्रणाली मॉडल को मिली राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

वैज्ञानिकों ने 1.0 हैक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को किया विकसित

नभ-छोर न्यूज » 14 दिसंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संचालित अंगिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना से विकसित 1.0 हैक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है। मॉडल को विकसित करने में डॉ. एसके गांठव, डॉ. आरके नैनवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. आरएम दावरवाल, डॉ. आरडी जाट और डॉ. कविता बा महत्वपूर्ण योगदान रहा। विश्वविद्यालय के कुलपाति प्रौ. वी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने बताया कि यह मॉडल के अंतर्गत किसान एक साथ अलग-अलग फसलें, सबज़ी, फल, पशुपालन, केचुआ खाद उत्पादन, मशरूम उत्पादन, बायोर्गेम आदि का कार्य कर सकते हैं। इस मॉडल से देश की बढ़ती जनसंख्या के भरण-पोषण व सुरक्षित भविष्य को महेनजर रखते हुए आगामी वर्षों के लिए अनाज, सबज़ी, फल, दाल, दूध, खाद्य तेल व अन्य कृषि उत्पादों की पैदावार बढ़ाने होंगी। इससे किसान खेती के लिए



उपलब्ध संसाधनों का पूरा इस्तेमाल कर पाएंगे, कृषि लागत में कमी आएगी और उत्पादन बढ़ेगा। यह कृषि मॉडल पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है और यह मॉडल किसानों को वर्ष भर आमदानी देने के साथ-साथ खेत वाले उत्करक शक्ति की भी बढ़ाता है।

सिकुड़ती जा रही है कृषि जीत : डॉ. ठकराल

सर्व विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि कृषि जीत सिकुड़ती जा रही है और कृषि लागत बढ़ने के कारण किसानों को उचित भाव भी नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण दिन-प्रतिदिन किसानों की आधिक स्थिति कमज़ोर होती जा रही है। उपरोक्त समस्याओं को महेनजर रखते हुए विश्वविद्यालय की

सर्व विज्ञान विभाग भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) मोदीपुरम मेरठ के सहयोग से वर्ष 2010-11 में शोध कार्य शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अनुसंधान के बाद विश्वविद्यालय ने लातूर और सीमांत किसानों के लिए 1.0 हैक्टेयर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किया गया है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पहुंचा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, और संसदी डॉ. अतुल ढीगड़ा व अन्य अधिकारी गौजूद रहे।